

3 (Sem-5/CBCS) HIN-HE 2

2 0 2 2

HINDI

(Honours Elective)

Paper : HIN-HE-5026

(हिन्दी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

***The figures in the margin indicate full marks
for the questions***

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10
- (क) मैथिलीशरण गुप्त का जन्म किस ईस्वी को हुआ था?
- (ख) माखनलाल चतुर्वेदी का साहित्यिक उपनाम क्या है?
- (ग) मैथिलीशरण गुप्त को कौन-सी आख्या प्राप्त है?
- (घ) 'सिपाहिनी' कविता के कवि कौन हैं?
- (ङ) 'दिनकर' का असली नाम क्या है?
- (च) 'अवकाशवाली सभ्यता' शीर्षक कविता में कवि ने मनुष्य के किस स्वभाव की ओर इंगित किया है?

(2)

- (छ) कवि दिनकर के अनुसार यह धरती किससे थकी हुई है?
- (ज) माखनलाल चतुर्वेदी को किस कृति के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था?
- (झ) मैथिलीशरण गुप्त की प्रमुख काव्य-रचना 'भारत-भारती' का प्रकाशन कब हुआ था?
- (ञ) "हम दूसरों के दुःख को थे दुःख अपना मानते।" यह काव्य-पंक्ति किस कविता में आयी है?
- (ट) 'भारत का यह रेशमी नगर' कविता के कवि कौन हैं?
- (ठ) "गिनो न मेरी श्वास,
छुएँ क्यों मुझे विपुल सम्मान?"
प्रस्तुत पंक्तियाँ किस कविता से उद्धृत हैं?
- (ड) 'आ गये ऋतुराज' शीर्षक कविता में कवि ने ऋतुराज किस ऋतु को कहा है?
- (ढ) कवि के अनुसार जनतंत्र के देवता कौन हैं?
- (ण) 'राष्ट्रवाणी' नामक काव्य-संकलन के सम्पादक कौन हैं?
- (त) झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई बचपन में किस नाम से जानी जाती थीं?
- (थ) 'स्वदेश के प्रति' कविता में आयी निम्नलिखित काव्य-पंक्ति के रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :
"आ _____ प्यारे स्वदेश आ, स्वागत करती हूँ तेरा।"
- (द) कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान का देहावसान कब हुआ था?

(3)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10
- (क) माखनलाल चतुर्वेदी की कविताओं की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।
- (ख) "देवता! हमारा क्या गुनाह है?" यहाँ किस गुनाह के बारे में कहा गया है?
- (ग) "अवकाशवाली सभ्यता अब आने ही वाली है।" इस काव्य-पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
- (घ) कवि की दृष्टि में 'समय के रथ का घर्घरनाद' क्या है? स्पष्ट कीजिए।
- (ङ) 'मनुष्यता' शीर्षक कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?
- (च) "मैं हूँ एक सिपाही, बलि है मेरा अंतिम साध्य!"—का आशय स्पष्ट कीजिए।
- (छ) कवयित्री के अनुसार वीरों के लिए वसंत कैसा होना चाहिए?
- (ज) 'प्राण का शृंगार' कविता की दो कलापक्षीय विशेषताएँ लिखिए।
- (झ) "भारत धूलों से भरा, आँसुओं से गीला, भारत अब भी व्याकुल विपत्ति के घेरे में।" —के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?
- (ञ) 'झाँसी की रानी' शीर्षक कविता में कवयित्री ने भारत को 'बूढ़ा' क्यों कहा है?

A23/334

(Turn Over)

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :
5×4=20

- (क) 'मनुष्यता' शीर्षक कविता का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
- (ख) "व्यथित है मेरा हृदय-प्रदेश
चलूँ उसको बहलाऊँ आज।"
- प्रस्तुत पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं? वक्ता के हृदय के व्यथित होने का क्या कारण है?
- (ग) कवि के अनुसार किन लोगों की दृष्टि में जनता 'फूल' या 'दूधमुँही बच्ची' की तरह है? कवि क्या कहकर उनका प्रतिवाद करते हैं?
- (घ) 'स्वदेश के प्रति' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।
- (ङ) कवयित्री ने मातृ-मंदिर के मार्ग को दुर्गम क्यों कहा है? वे भगवान से क्या प्रार्थना करती हैं?
- (च) 'सिपाहिनी' कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?
- (छ) सुभद्रा कुमारी चौहान रानी लक्ष्मीबाई को 'मर्दानी' क्यों कहती हैं? रानी की वीरता का वर्णन किस प्रकार से हुआ है?
- (ज) रामधारी सिंह 'दिनकर' का साहित्यिक परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
10×2=20

- (क) पर, तुम नगरों के लाल, अमीरों के पुतले,
क्यों व्यथा भाग्यहीनों की मन में लाओगे?
जलता हो सारा देश, किन्तु, होकर अधीर
तुम दौड़-दौड़कर क्यों यह आग बुझाओगे?

अथवा

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी।
भर रही कोकिला इधर तान,
मारू बाजे पर उधर-गान

- (ख) है रंग और रण का विधान,
मिलने आये हैं आदि-अंत
वीरों का कैसा हो वसंत?

अथवा

रागिनी पर, नृत्य पर, 'छुम' गा उठे ऋतुराज!
प्यार पर, साहित्य पर, इतरा उठे ऋतुराज!
चित्र पर आ मूर्ति को पिघला उठे ऋतुराज!
भ्रमर मैं, मधु में परस बरसा उठे ऋतुराज!

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के सम्यक् उत्तर दीजिए :
10×2=20

- (क) "सुभद्रा कुमारी चौहान की कविताओं का मूल स्वर राष्ट्रीय भावना है।" पठित कविताओं के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
- (ख) पठित कविताओं के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
- (ग) 'जनतंत्र का जन्म' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।
- (घ) 'सिपाही' कविता का सारांश लिखिए।

(6)

- (ड) 'द्विवेदी-युग में राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्य-धारा के विकास का लेखा-जोखा प्रस्तुत कीजिए।'
- (च) राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा को कविवर दिनकर की देन पर प्रकाश डालिए।

★ ★ ★